

28⁵/₁₉

कमाली पैसा दुकान (बाकी व इनका वकील
अपने मनी (बाह-2 डावाज नगरे में
कोई उपलब्ध मनी (बाकी) व इनके वकील
की अनुपालने में वह इतने धरती व इतने
सजदी के खर्चों किया जाय है कमाली
मिसल मुगल इतने अन्वय ही का ही लय
वह कमाली निस अन्वय ही।

Rao